27 June PG01 2021

एचबीटीयू के शताब्दी वर्ष समारोह का दिया निमंत्रण

कानपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात के बाद एचबीटीयू के कुलपति प्रो. शमशेर सिंह ने बताया कि 21 नवम्बर 2021 को एचबीटीयू के सौ साल हो चुके हैं। राष्ट्रपति को शताब्दी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। साथ ही निवेदन किया है कि एचबीटीयू के विस्तार के लिए स्टेट की जगह केन्द्र से जोड़ा जाये।

m.rashtriyasahara.com

कानपुर। एचबीटीयू कुलपति प्रो. समशेर ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर उन्हें 25 नवम्बर 2021 को आयोजित किये जाने वाले विवि के शताब्दी वर्ष समारोह का उद्घाटन करने का न्योता दिया। इस संदर्भ में कुलपति ने राष्ट्रपति को एक आग्रह पत्र भी सौंपा। राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में विस्तृत प्रस्ताव भेजने पर विचार करने का आश्वासन दिया। एचबीटीयू कुलपति ने एचबीटीयू के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग-तकनीकी संस्थान होने का हवाला देते हुए इसकी बेहतरी के लिए विवि को केन्द्रीय विवि का दर्जा दिलाने का अनुरोध भी किया।

गरण

विस चुनाव पर भाजपा का मंथन 17

एचबीटीयू को केंद्रीय विवि बनाने की मांग, राष्ट्रपति बोले–प्रक्रिया पूरी करें

- जीएसवीएम को एम्स जैसी सुविधाएं दिलाने की बात पर बोले-पत्र भेजिए
- सर्किट हाउस में शिक्षा, चिकित्सा, कारोबार जगत की हस्तियों से की मुलाकात

दिग्विजय सिंह • कानपुर

राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द से शनिवार को यहां सर्किट हाउस में शिक्षा, चिकित्सा, कारोबार जगत की कई बड़ी हस्तियों ने मुलाकात की। राष्ट्रपति ने उन्हें शिक्षा और स्वास्थ्य तंत्र की मजबूती का मंत्र दिया। बच्चों को चाकलेट भेंट की और पूरा ध्यान पढ़ाई में लगाने को कहा। हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाए जाने की मांग पर उन्होंने प्रक्रिया पूरी करने को कहा। वहीं, गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कालेज को विश्वविद्यालय का दर्जा और एम्स जैसी सुविधाएं दिलाने की बात आने पर उन्होंने पत्र भेजने के लिए कहा। देर शाम वह अपने मित्र कृष्ण कुमार अग्रवाल से मिलने उनके कैंट स्थित घर पहुंचे।

छत्रपति शाहू जी महाराज यूनिवर्सिटी (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक ने विवि में प्राचीन विज्ञान पर शोध करने के लिए विश्वविद्यालय में प्राचीन विज्ञान और तकनीकी का सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापना कराए जाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने उनसे कहा कि उन्हें खुशी होगी कि शहर में ऐसा सेंटर भी स्थापित हो, जहां प्राचीन विज्ञान के क्षेत्र में शोध कार्य हों। उन्होंने स्थापना में मदद का आश्वासन दिया। राष्ट्रपति ने पूर्व छात्र-छात्राओं को एक मंच पर लाने के लिए उनसे अधिक से अधिक संपर्क करने का सुझाव दिया। बोले, वह भी इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। एचबीटीयू के कुलपति प्रो. शमशेर ने बताया कि हरकोर्ट बटलर टेक्निकल इंस्टीट्यूट (एचबीटीआइ) को ही विवि का दर्जा दिया गया था। अब स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर 25 नवंबर को शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन होगा। उसमें बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होने का आग्रह किया तो राष्ट्रपति ने आमंत्रण स्वीकार किया। एचबीटीयू को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा देने के आग्रह पर राष्ट्रपति ने कहा, प्रक्रिया पूरी करें।

आइआइटी के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने राष्ट्रपति को बताया कि संस्थान में स्कूल आफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलाजी और सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल की स्थापना होनी है। राम मेडिकल कालेज के निदेशक डा. प्रणव सिंह ने कोरोना की संभावित तीसरी लहर को लेकर हो रही तैयारियों के बारे में बताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक वीरेंद्र जीत सिंह, विभाग संघचालक डा. श्याम बाबू गुप्ता और सह प्रांत कार्यवाह भवानी भीख ने जीएसवीएम मेडिकल कालेज को विश्वविद्यालय का दर्जा देने और एम्स जैसी सुविधाएं दिलाने आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें पत्र भेजें। संबंधित खबरें » 6 और 7

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने शनिवार को कानपुर के कैंट में मित्र कृष्ण कुमार अग्रवाल से उनके आवास पर मुलाकात की • सौ. कैंट अग्रवाल

कानपुर में राष्ट्रपति

- सीएसजेएमयू में प्राचीन विज्ञान और तकनीकी का सेंटर फॉर एक्सीलेंस की स्थापना में मदद का भरोसा
- एचबीटीयू के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल होने की दी सहमति, नवंबर में होना है आयोजन

बच्चों की मांग पूरी करने का आश्वासन

जब बच्चों ने राष्ट्रपति भवन देखने की इच्छा जताई तो उन्हें बुलावा भेजने का आश्वासन दिया। वहीं, महापौर प्रमिला पांडेय ने शहर की चाबी सौंपी। साथ ही एक हजार करोड़ से विकास कार्य कराने का पत्र दिया।

आज अपने गांव जाएंगे राष्ट्रपति

राष्ट्रपति रविवार को अपने गांव परौंख जाएंगे। यहां 9.05 बजे पहुंचेंगे। एक बजे पुखरायां पहुंचेंगे। यहां से वह शाम 4.40 बजे कानपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी परौंख और पुखरायां जाएंगे।

चन्दा इंस्टीट्यूट